

आकाशमंडल पुं. (तत्.) नभ मंडल, नभो-मंडल, खगोल।

आकाशमुखी पुं. (तत्.) 1. ऊपर मुख कर तप करने वाला 2. जिसका मुख ऊपर की ओर (खुला) हो।

आकाशमूल स्त्री. (तत्.) कुंभी, जलकुंभी।

आकाशयान पुं. (तत्.) 1. जो आकाश में गमन करे, जिसके सहारे आकाश में यात्रा की जा सके 2. वायुयान 3. गुब्बारा।

आकाशरक्षी पुं. (तत्.) वह प्रहरी जो किले की बाहरी दीवार के बुर्ज पर खड़ा होकर पहरा देता है।

आकाशवल्ली स्त्री. (तत्.) दे. आकाशबेल।

आकाशवाणी स्त्री. (तत्.) 1. दैवी वाक्, आकाश से सुनी गई वाणी। आकाशभाषित 2. भारत के (सरकारी) रेडियोतंत्र के लिए सुनिश्चित व्यक्तिवाचक नाम। All India Radio

आकाशवृत्ति स्त्री. (तत्.) 1. अनिश्चित जीविका भाग्य के सहारे आजीविका 2. केवल वर्षा के जल पर आश्रित रहकर कृषि करना।

आकाशवृत्तिक वि. (तत्.) अनिश्चित आय पर गुज़ारा करने वाला व्यक्ति, दैनिक अनुकंपा पर आश्रित व्यक्ति।

आकाशसलिल पुं. (तत्.) 1. आसमान से बरसने वाला पानी, वृष्टि 2. ओस।

आकाश-स्फटिक पुं. (तत्.) आकाश की आभावाला पदार्थ 1. ओला 2. सूर्यकांत मणि 3. चंद्रकांत मणि।

आकाशी स्त्री. (तत्.) चँदोवा जो धूप से बचने के लिए ताना जाता है।

आकाशी परिप्रेक्ष्य पुं. (तत्.) चित्रकला का एक ऐसा माध्यम जिसकी सहायता से चित्र में वस्तुओं की परस्पर दूरी का अनुभव होता है। वस्तुओं का छोटा-बड़ा आकार और रंगों का गहरा अथवा हल्कापन इस के साधन हैं। aerial perspective

आकाशी पर्यवेक्षण पुं. (तत्.) वायुयान अथवा उपग्रह द्वारा पृथ्वी के विभिन्न क्षेत्रों का सर्वेक्षण, वायवी पर्यवेक्षण।

आकाशीय वि. (तत्.) आकाश का, आकाशवासी, आकाश-संबंधी।

आकाशीय पिंड पुं. (तत्.) दे. खगोलीय पिंड।

आकुंचन पुं. (तत्.) सिकुड़ना, सिमटना, संकुचन प्राणि. अंग को पीछे सिकोड़ने की क्रिया (जैसे कछुआ अपने मुँह-पैर आदि को अपने कवचशरीर में वापस खींच लेता है)। retraction

आकुंचनीय वि. (तत्.) सिकुड़ने या सिमटने योग्य, संकुचन-योग्य।

आकुंचित वि. (तत्.) 1. सिमटा हुआ, सिकुड़ा हुआ 2. टेढ़ा, कुटिल, वक्र 2. घुंघराले (बाल)।

आकुंठन पुं. (तत्.) 1. कुंठित या कुंद होने का भाव 2. स्तब्धता।

आकुंठित वि. (तत्.) 1. कुंद 2. लज्जित 3. स्तब्ध।

आकुल वि. (तत्.) 1. घबराया हुआ, व्यग्र, उद्विग्न, क्षुब्ध 2. व्यस्त।

आकुलता स्त्री. (तत्.) घबराहट, व्याकुलता, व्यग्रता।

आकुलत्व पुं. (तत्.) आकुल होने का भाव, बेचैन होने का भाव, व्याकुलता, कातरता।

आकुलित वि. (तत्.) व्याकुल दे. आकुल।

आकृत पुं. (तत्.) 1. अभिप्राय, आशय 2. कामना, इच्छा 3. अनुभूति 4. आश्चर्य।

आकृत वि. (तत्.) 1. आकार प्राप्त, बना हुआ, व्यवस्थित 2. क्रमबद्ध।

आकृति स्त्री. (तत्.) आकार, रूप, स्वरूप, रूपरेखा, बनावट, रचना, गठन मणि. रेखाओं की सहायता से रचना का स्वरूप।

आकृतिक विद्या स्त्री. (तत्.) मुख आदि की आकृति से व्यक्ति को जानने-पहचानने की विद्या, व्यक्ति की आकृति से भविष्य बताने की विद्या।

आकृतिमूलक वर्गीकरण पुं. (तत्.) भाषा. विश्व की भाषाओं का उनकी रचना के आधार पर विभिन्न वर्गों में विभाजन पर्या. प्ररूपी वर्गीकरण typological classification तु. पारिवारिकी वर्गीकरण।